RNI No. CHHHIN/2009/35020

नई सोच, नया आयाम

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 205 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, शनिवार 4 जून 2022

पेज -3 पर
मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू के विरुद्ध शिकायत ...

बिशुनपुर में पीडीएस दुकान तथा आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर
पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

दुग्ध उत्पादक अपनी समिति बना लें, संग्रहण केंद्र बनाकर खरीदी पर विचार करेगी सरकार

रायपुर। दूध उत्पादन करने वाले किसान सामूहिक रूप से अपनी समिति बनाकर यह कार्य करें और समिति के माध्यम से अपना दूध एकत्रित करें तो संग्रहण केंद्रों के माध्यम से इसकी खरीदी की सुविधा दी जा सकती है।

भानुप्रतापपुर विधानसभा के गितपहर में आयोजित भेंट मुलाकात के दौरान चारामा के किसान श्री भूषण साहू से संवाद करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने यह बात कही। श्री भूषण ने मुख्यमंत्री से कहा मैं दूध का व्यवसाय करता हूँ। क्षेत्र में दूध खरीदी केंद्र होता और शासकीय दर पर खरीदी होती तो हमें और भी सुविधा होती। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समितियों के

माध्यम से यदि यह पहल की जाए तो इसका परीक्षण कर संग्रहण केंद्र बनाने पर सरकार विचार कर सकती है ताकि संग्रहण केंद्रों के माध्यम से दूध खरीदी की जा सके। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गितपहर के किसानों को कहा कि समितियों के माध्यम से कार्य करना काफी उपयोगी होता है क्योंकि शासन की अनेक योजनाएं समितियों को बढ़ावा देने बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गितपहर में 5 करोड़ 19 लाख रुपए की लागत से 83 देवगुड़ियों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया। साथ ही उन्होंने शीतला माता की पूजा कर प्रदेश की सुख-शांति की कामना की।

खेती में हुआ लाभ तो लेने लगे डबल फसल- श्री महेश निषाद ने कहा कि 49 हजार रुपए का कर्ज माफ हुआ और राजीव गांधी किसान न्याय योजना की किश्त मिल गई।

एक नजर

राज्यपाल उइके ने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल से की भेंट

राजधानी शिमला में हुआ आत्मीय स्वागत

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने गत दिवस हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से शिमला राजभवन में मुलाकात की। आर्लेकर ने हिमाचल प्रदेश आगमन पर सुश्री उइके का आत्मीय स्वागत किया और देश एवं प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल सुश्री उइके ने श्री आर्लेकर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सुश्री उइके ने राजभवन हिमाचल प्रदेश का भ्रमण किया और देखा कि राजभवन में किस प्रकार का संधारण किया गया है एवं क्या-क्या नवाचार हो रहे हैं, ताकि उनका पालन राजभवन छत्तीसगढ़ में भी कराया जा सके।

महुआ शराब के साथ महिला गिरफ्तार

महासमुंद । बसना पुलिस ने 15 लीटर देशी महुआ शराब के साथ महिला को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार बसना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वार्ड 1 बसना में रोतम बाई (40) से 15 लीटर महुआ शराब बरामद की।

भिलाई स्टील प्लांट में फिर हादसा

एसएमएस-2 के कनवर्ट -3 में ब्लास्ट, पिघला लोहा गिरने से तीन कर्मचारी झुलसे

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के अंदर हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दो दिन पहले ब्लास्ट फर्नेस 7 में हुए हादसे के बाद शुक्रवार सुबह फिर से स्स्र्-2 के कनवर्ट 3 में ब्लास्ट हो गया। इससे पिघले हुए लोहे के छीटे वहां काम कर रहे कर्मचारियों के ऊपर गिरे और वह झुलस गए।

झुलसने वालों में एक बीएसपी कर्मी और दो ठेका कर्मी हैं। तीनों को सेक्टर 9 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात 2.45 बजे भिलाई इस्पात संयंत्र के स्स्र्-2 में काम चल रहा था। यहां कनवर्ट ङ्क 3 में पिघले हुए लोहे को शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान वहां अचानक ब्लास्ट हो गया। इससे पिघले हुए लोहे के छींटे काफी दूर तक गिरे। इस दौरान वहां काम कर रहे मानसिंह ठाकुर (58) और ठेका कर्मचारी गिरि कुमार और भूषण लाल के ऊपर भी लोहे के छीटे गिरे, जिससे वो बुरी तरह से झुलस गए।

बीएसपी स्टॉफ ने तुरंत जख्मी हालत में तीनों को मेन मेडिकल पोस्ट पहुंचाया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें सेक्टर-9 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। तीनों का इलाज बर्न वार्ड में चल रहा है। बताया जा रहा है कि तीनों कर्मचारी 15-20 प्रतिशत तक झुलस गए हैं।

बीएसपी प्रबंधन ने दिए जांच के आदेश

घटना के बाद बीएसपी प्रबंधन में हड़कंप मच गया है। SMS-2 में हुई घटना की जांच का आदेश दे दिया गया है। यह घटना क्यों और कैसे हुई इसका पता लगाने में बीएसपी के अधिकारी जुटे हुए हैं। हादसे की खबर लगते ही बीएसपी के कर्मचारी यूनियन के नेता अस्पताल पहुंचना शुरू हो गए हैं। जख्मी कर्मचारी और ठेका मजदूरों का हालचाल लिया जा रहा है।

दो दिन पहले हुए ब्लास्ट में हुई थी एक ठेका कर्मी की मौत

दो दिन पहले ही ब्लास्ट फर्नेस-7 के एसजीपी में भी बड़ा हादसा हुआ था। यहां अचानक आग लग जाने से काम कर रहे दो कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए थे। इसमें एक ठेका मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं 90 प्रतिशत झुलसे दूसरे मजदूर परमेश्वर का सेक्टर-9 अस्पताल में इलाज चल रहा है।

संवेदनशील मुख्यमंत्री ने तत्काल पूरी की छात्रा की मांग

हाईस्कूल के लिए भवन निर्माण की घोषणा की

रायपुर। लोगों से भेंट-मुलाकात के लिए कांकेर जिला पहुंचे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज दुर्गूकोंदल में एक स्कूली छात्रा द्वारा शाला भवन नहीं होने के कारण अध्ययन-अध्यापन में आ रही दिक्कतों की ओर ध्यान आकर्षित करने पर स्कूल के लिए भवन के निर्माण की घोषणा की। शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मेड़ो की छात्रा वंदना दीवान ने भेंट-मुलाकात में मुख्यमंत्री को बताया कि भवन नहीं होने के कारण स्कूल की छात्र-छात्राओं को पढ़ाई-लिखाई में बहुत परेशानी हो रही है। मेड़ो में वर्ष 2013 से हाईस्कूल का संचालन हो रहा है। लेकिन इसके लिए भवन नहीं बन पाया है। उसने मुख्यमंत्री से अपने स्कूल के लिए भवन बनाने की मांग की। संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने छात्रा की मांग पर आधा घंटा के भीतर ही शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मेड़ो के लिए नया भवन बनाने की घोषणा कर दी। दुर्गूकोंदल में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में ही मुख्यमंत्री ने इसकी घोषणा कर छात्रा की मांग तत्काल पूरी की।

धमतरी में हादसा...मासूम के 4 टुकड़े हुए

रेत से भरी हाइवा ने 3 साल के बच्चे को कुचला, गुस्साए लोगों ने लगाया जाम

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी में शुक्रवार को तेज रफ्तार रेत से भरी हाइवा ने 3 साल के बच्चे को टक्कर टक्कर मार दी। बच्चा सड़क पर गिरा तो हाइवा उसे कुचलती हुई निकल गई। इसके चलते बच्चे के शव के 4 टुकड़े हो गए और पूरी सड़क पर क्षत-विक्षत होकर बिखर गया। इसके बाद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और उन्होंने जाम लगा दिया। हादसा अर्जुनी थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के मुताबिक, आमदी निवासी संतोष साहू का 3 साल का बेटा लिकेश शुक्रवार को आंगनवाड़ी केंद्र जा रहा था। इस दौरान आमदी चौक के पास सड़क पार करते समय रेत से भरी तेज रफ्तार हाइवा ने उसे कुचल दिया। हाइवा के कुचलने से बच्चे के शव के टुकड़े-टुकड़े हो गए। उसका सिर, पैर-हाथ सब धड़ से अलग होकर सड़क पर बिखर गया। वहीं चालक हाइवा छोड़ भाग गया।

डेढ़ घंटे तक चलता रहा हंगामा

बच्चे की इतनी वीभत्स मौत देख स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने सड़क पर जाम लगा दिया और नारेबाजी शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझाया। करीब डेढ़ घंटे तक हंगामा चलता रहा। 25 हजार रुपए की सहायता राशि परिजनों को दी गई। इसके बाद ग्रामीण सड़क से हटे और जाम खुल सका। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हाइवा चालक को गिरफ्तार किया गया

पुलिस ने हाइवा चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं लोगों का कहना है कि यहां रात 10 बजे से लेकर सुबह तक रेत से भरे हाइवा और ट्रक दौड़ते रहते हैं। तेज रफ्तार में भागते इन वाहनों के चलते आए दिन हादसा होता है। इसके बाद भी प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है। लोगों ने हाइवा को सुबह बंद करने और रफ्तार पर रोक लगाने की मांग की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

वहीं देर रात भखारा थाना क्षेत्र में भी सेमरा रोड पर किसी वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि बुजुर्ग घायल हो गए। युवक की पहचान केसरा थाना रानीतराई निवासी पंकज कुमार सिन्हा के रूप में हुई है।

फर्जी तरीके से कागजों में हो रहा ग्राम सभा एवं जनसुनवाई

जनसूनवाई सफल बनाने दलालों के साहारे ग्रामीणों से करवा रहे फर्जी हस्ताक्षर

जोहार छत्तीसगढ़-धरमजयगढ़।

वैधानिक मंजूरी के बिना ही धड़ल्ले से निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं कागजी कार्यवाही को पूरा करने के लिए फर्जी तरीके से ग्राम सभा एवं जनसुनवाई को कागजों में ही पूरा किया जा रहा है।

धरमजयगढ़ से कापू तक सड़क निर्माण स्वीकृत हुआ है। जिसका निर्माण कार्य भी धड़ल्ले से चल रहा है। लेकिन कागजी कार्यवाही अभी भी अधूरा है। जिसके लिए कम्पनी द्वारा फर्जी तरीके का सहारा लिया जा रहा है। बता दें कि इस सड़क निर्माण में प्रभावित गांवों में जनसुनवाई एवं ग्राम सभा की सहमति जरूरी है। जिसके लिए कई जगहों पर जनसुनवाई भी की गई। लेकिन जनसुनवाई में सहमति नहीं बन सका और जनसुनवाई फेल हो गया। वहीं प्रभावित ग्राम सभा का भी सहमति प्रस्ताव पास होना चाहिए। लेकिन किसी भी ग्राम सभा से सहमति नहीं मिला है। जिसके लिए कम्पनी के कर्मचारी फर्जी तरीके से कागजी कार्यवाही पूरा करने में लगे हैं। संबंधित ग्राम पंचायत या नगर क्षेत्र के दलालनुमा व्यक्ति को प्रलोभन

धरमजयगढ़ से कापू मार्ग निर्माण को नहीं मिली है वैधानिक मंजूरी

दिए हैं जिसके द्वारा गांव के भोली भाली जनता से हस्ताक्षर करवाया जा रहा है। शुरू में भी गांव-गांव में फर्जी तरीके से हस्ताक्षर करवाया गया था। लेकिन कोरम पूरा करने के लिए संख्या पर्याप्त नहीं हुआ था। जिसके लिए फिर से हस्ताक्षर करवाया जा रहा है। बता दें कि दिसम्बर 2021 में जनसुनवाई हुआ था और उसमें सहमति बननी थी। लेकिन संबंधित लोगों द्वारा समय पर यह काम नहीं करवाया पाया सिर्फ ऑफिस में बैठकर खानापूर्ति किए थे। फि र भी कागजी कार्यवाही अधूरा हो गया था। जिसके लिए अभी पिछले तिथि में भोली भाली जनता से हस्ताक्षर करवाया जा रहा है। कई ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि संबंधित कार्य के लिए आज तक कोई अधिकारी कर्मचारी गांव में नहीं आया है। जिससे लगता है कि इस फ र्जी कार्य में नीचे से ऊपर तक संलिप्त हैं?

अंशदान.. मुख्यमंत्री बघेल का केंद्रीय वित्त मंत्री और पीएम को पत्र

पेंशन के 17240 करोड़ वापस देने से केंद्र का इनकार

रायपुर। केंद्र सरकार की संस्था पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण ने छत्तीसगढ़ सरकार के कर्मचारियों के पेंशन अंशदान के रूप में जमा 17 हजार 240 करोड़ रुपए की राशि को वापस करने से इनकार कर दिया है।

इसकी वजह से पुरानी पेंशन योजना के सभी प्रावधानों को लागू करने में राज्य सरकार को दिक्कत हो सकती है। अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में बताया है, राज्य सरकार की ओर से वित्त विभाग के सचिव ने 20 मई को पेंशन कोष नियामक और विकास प्राधिकरण को एक पत्र भेजा था। उसमें राज्य सरकार की ओर से पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की जानकारी देते हुए नई पेंशन योजना के कर्मचारी और राज्य सरकार के अंशदान के तौर पर जमा राशि को वापस मांगा था। राज्य सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक राज्य सरकार के योगदान की कुल राशि और कर्मचारी के अंशदान की संयुक्त हिस्सेदारी का वर्तमान बाजार मूल्य 17 हजार 240 करोड रुपए है।

पुरानी पेंशन योजना को लागू कर चुकी है सरकार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकारी कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा आदि का हवाला देकर 9 मार्च 2022 को पुरानी पेंशन योजना बहाली की घोषणा की थी। पिछले सप्ताह सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को लागू करने का आदेश राजपत्र में प्रकाशित कर दिया। इसी के साथ नई पेंशन योजना के तहत कर्मचारियों के वेतन हो रही 10% की कटौती भी बंद कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने संघीय ढांचे का हवाला दिया

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पत्र में तर्क दिया है कि राज्य सरकार द्वारा NPS ट्रस्ट और NSDL के साथ के साथ किए गए अनुबंधों में ऐसा कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं है जो राज्य सरकार को नवीन अंशदायी पेंशन योजना के लिए हुए अनुबंध से बाहर जाने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने से रोकता हो। संघीय ढांचे में राज्य सरकार का यह संप्रभु निर्णय है।

स्वाद और सेहत से भरपूर है फोर्टिफाईड चावल

खून निर्माण, भूण विकास और नर्वस सिस्टम के काम- काज में देता है सहायता

रायपुर। वर्तमान की व्यस्त दिनचर्या में लोग दैनिक खान-पान में स्वाद के साथ स्वास्थ्यवर्धक भोजन को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। भारतीय खाने में रोजमर्रा की पसंद चावल का अधिक गुणवत्ता और पौष्टिकता भरा विकल्प अब फोर्टिफाईड चावल के रूप में लोगों को मिला है।

आकांक्षी जिलों सहित प्रदेश के 12 जिलों के राशन दुकानों में मिल रहा फोर्टिफाईड चावल

फोर्टिफाईड चावल स्वाद और सेहत से भरपूर होता है। ये चावल सामान्य चावल की तरह ही होता है लेकिन इसमें आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन बी-12 और जिंक की प्रचुर मात्रा होने से यह अधिक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक होता है।

तेलंगाना के जरिये दक्षिण पर नजर, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारी पर अटकलबाजी का दौर

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के दूसरी बार भारी बहुमत के साथ चुने जाने से दक्षिण भारत में भाजपा का हौसला बढ़ा है। दक्षिणी राज्यों के लोगों को पारंपरिक रूप से इस बात की नाराजगी रहती है कि विकास के कार्य उत्तर भारतीय राज्यों में ही होते हैं। लेकिन पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास मंत्र ने अनेक दक्षिण भारतीयों को आकर्षित किया है।

अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में राम मंदिर के गर्भगृह की नींव रखने से भी दक्षिण भारत के लाखों श्रद्धालुओं के मन में उत्साह की भावना है। दक्षिण में अटकलें हैं कि भाजपा और मोदी किसी दक्षिण भारतीय को अगले राष्ट्रपति पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाएंगे। ऐसा होता है, तो दक्षिण भारत में भाजपा दोगुनी गति से आगे बढ़ेगी। मोदी, योगी और राम मंदिर-ये तीन दक्षिणी राज्यों में चर्चा के मुख्य विषय हैं। पर असहमति के स्वर भी सुनाई दे रहे हैं। द्रमुक नेता एम. के. स्टालिन ने तमिलनाडु में शासन के द्रविड़ मॉडल को हवा दी है। दक्षिण में हालांकि कांग्रेस की कोई खास मौजूदगी नहीं है। इसकी वजह यह है कि राहुल गांधी जिस वायनाड से सांसद चुने गए हैं, वहां वह नहीं जाते। वहां के मतदाता कहते हैं कि राहुल गांधी विदेश यात्रा करने के ज्यादा इच्छुक हैं। दक्षिण और उत्तर के बीच गहरी खाई है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी दक्षिणी राज्यों में लोकप्रिय हैं और दो से तीन फीसदी युवाओं का वोट मोदी को जाता है। आईटी क्षेत्र के कर्मचारियों में मोदी के प्रति खास निष्ठा है। दक्षिण के तीन बड़े आईटी केंद्र हैदराबाद, चेन्नई और बंगलूरू के तीस वर्ष से कम उम्र के युवा ग्राफिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सॉफ्टवेयर विकास में नवाचार से मोदी से खुश हैं। कर्नाटक और पुडुचेरी में मोदी के डबल इंजन सरकार का फॉर्मूला अच्छा काम कर रहा है।

यहां भाजपा ने अच्छी तरह से पैठ बना ली है। तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में भी भाजपा ने पैठ बनाई है। स्पष्ट है कि युवा भाजपा नेता अन्नामलाई की कोशिश वहां रंग ला रही है। हाल के निकाय चुनावों में भाजपा तमिलनाडु में अकेले चुनाव लड़ी थी और उसे सात फीसदी वोट मिले थे। इसी तरह केरल में हिंदुत्व की भावना को जनाधार मिला है। पर वहां कम्युनिस्टों का वर्चस्व खत्म करना कठिन है। भाजपा ने त्रिपुरा में माकपा को जिस तरह उखाड़ा, अगले पांच साल में वह केरल में ऐसा ही करेगी। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा दक्षिण में ज्यादा सीटें जीतने की इच्छुक है। दक्षिणी राज्यों में द्रमुक, अन्नाद्रमुक, पीएमके, टीआरएस, टीडीपी, वाईएसआर कांग्रेस जैसे आठ विभिन्न राजनीतिक दल हैं, लेकिन तीन राज्यों-कर्नाटक, पुडुचेरी और तेलंगाना में भाजपा के हिंदुत्व के प्रति भारी आकर्षण है, पर तमिलनाडु, केरल एवं कर्नाटक में उसे संघर्ष करना पड़ेगा। हाल ही में प्रधानमंत्री ने हैदराबाद में के. चंद्रशेखर राव पर निशाना साधते हुए कहा कि तेलंगाना राष्ट्र समिति राज्य में हिंदू-मुस्लिम समुदायों के बीच विभाजन कर रही है।

भारतीय राजनीति

तेलंगाना पर भाजपा के दांव लगाने के कुछ ऐतिहासिक कारण हैं। यह पहली राष्ट्रीय पार्टी थी, जिसने अलग तेलंगाना राज्य का समर्थन किया था और तेलंगाना राष्ट्र समिति के जन्म से पहले ही इसने तेलंगाना राज्य के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। उत्तर भारत में ज्ञानव्यापी का मुद्दा छाया है, तो यह प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशों के पालन करने का ही नतीजा है।

तेलंगाना में हिंदुओं की भारी आबादी है, यही वजह है कि भाजपा ने वहां पकड़ बनाई है। तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने कोविड-19 क्लस्टर के बढ़ने और संक्रमण के मामलों में तेजी के लिए उत्तर भारतीय छात्रों को जिम्मेदार ठहराया था। इसके अलावा, द्रमुक मंत्री पोनुमुडी ने एक विवादास्पद बयान दिया कि जो लोग तमिलनाडु में पानी-पूरी बेचते हैं, केवल वही हिंदी बोलते हैं। इसका जितिन प्रसाद ने तीखा जवाब दिया था। निश्चित रूप से जब भी द्रमुक की ओर से ऐसा बयान आता है, तो उत्तर में रहने वाले दक्षिण भारतीयों को परेशानी होती है।

निस्संदेह भाजपा दक्षिणी राज्यों में सत्ता तक पहुंचने का आसान रास्ता नहीं बना पाई है। लंबे समय तक वह यही मानती रही कि कर्नाटक में सत्ता में आने के बाद उसे आसानी से दक्षिण के अन्य राज्यों में भी मतदाताओं द्वारा स्वीकार कर लिया जाएगा, लेकिन यह सपना ही बना रहा। अब भाजपा ने इन सभी राज्यों के लिए अलग-अलग ढंग से रणनीति बनाने का फैसला किया है। और दक्षिण की दीवार तोड़ने के लिए दूसरे विकल्प के रूप में उसने तेलंगाना को चुना है। तेलंगाना पर भाजपा के दांव लगाने के कुछ ऐतिहासिक कारण हैं। यह पहली राष्ट्रीय पार्टी थी, जिसने अलग तेलंगाना राज्य का समर्थन किया था और तेलंगाना राष्ट्र समिति के जन्म से पहले ही इसने तेलंगाना राज्य के लिए एक प्रस्ताव पारित किया था। उत्तर भारत में ज्ञानव्यापी का मुद्दा छाया है, तो यह प्रधानमंत्री मोदी के निर्देशों के पालन करने का ही नतीजा है। मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री काल में यह संभव नहीं था। यूपीए सरकार चुराई गई मूर्तियों के मसले पर चुप लगा बैठी थी, जबकि राजग ने पुरानी मूर्तियों को हासिल करने की कोशिश की और अमेरिका के छह और ऑस्ट्रेलिया से चार मूर्तियां बरामद की गईं।

राजगोपालन

संपादकीय

जैसे आठ साल वैसे 10, 15 या 20 साल

प्रधानमंत्री जापान गए तो वहां प्रवासी भारतीयों के बीच कहा, 'मैं मक्खन पर नहीं पत्थर पर लकीर खींचने में विश्वास करता हूं'। पिछले आठ साल में भारत की राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था को जो दिशा मिली है वह भी पत्थर पर खींची गई लकीर की तरह है, जो नहीं बदलने वाली है। प्रधानमंत्री की अपनी सोच और कार्यशैली भी पत्थर पर लकीर की तरह ही है। तभी यह मान सकते हैं कि जैसे आठ साल बीते हैं वैसे ही आगे 10, 15 या 20 साल बीतेंगे। कुछ भी नहीं बदलेगा क्योंकि भारत आज जिस दशा में है वह सिर्फ परिस्थितियों के कारण नहीं है, बल्कि सोच-समझ कर किए गए फैसलों की वजह से है। दुनिया भर के देशों की अर्थव्यवस्था में गिरावट कोरोना वायरस की महामारी के कारण हुई लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था उससे बहुत पहले किए गए नोटबंदी के सुनियोजित फैसले की वजह से बिगड़ने लगी थी। दुनिया में गिरावट मार्च 2020 में शुरू हुई और भारत में मार्च 2018 में ही शुरू हो गई थी। चीन और दुनिया के देशों पर भारत की निर्भरता बढ़ी है। भारत का निर्यात बढ़ा है तो उसी अनुपात में आयात भी बढ़ा है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार भरा है तो उसी अनुपात में भारतीय मुद्रा की कीमत गिरी है और आयात का बिल भी बढ़ा है। सो, अगर आठ साल में विकास दर ठप्प है, महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है, गरीबों की संख्या में इजाफा हुआ है, संपत्ति निर्माण बंद है, सरकारी कंपनियों की बिक्री भी नहीं हो पा रही है लेकिन अरबपतियों की संख्या बढ़ रही है तो यहीं सब कुछ आगे भी होता रहेगा। आगे के कई सालों की राजनीतिक व सामाजिक पटकथा भी पहले ही लिखी जा चुकी है।

आखिर क्यों हो रही है टारगेट किलिंग से बार-बार माहौल बिगाड़ने की कोशिश?

जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल 370 हटने के बाद जैसे-जैसे हालात सुधरने लगे थे, वैसे-वैसे फिजा बिगाड़ कर जहर घोलने की पुरजोर साजिश भी परवान चढ़ने लगी है। कश्मीर में एक महीने के भीतर करीब 9 कश्मीरी पंडितों व गैर कश्मीरी हिंदुओं की टारगेट किलिंग के पीछे कई वजहें हैं। कश्मीर की वादियों से सीमा पार तक से रची जा रही इस साजिश के जरिए कश्मीरी पंडितों की वापसी, अमरनाथ यात्रा और लोकतंत्र की खातिर होने वाले चुनाव में खलल के नापाक मंसूबे साफ झलक रहे हैं।

पाक के आतंकी संगठन सक्रिय हैं, जो घाटी के युवाओं को बरगला कर उनके कंधे पर बंदूकें रखकर अशांति और डर का माहौल पैदा कर रहे हैं।

दरअसल, 370 की वापसी के बाद कश्मीर में तेजी से हालात बदले हैं। पर्यटन के लिहाज से कश्मीर फिर धरती का स्वर्ग साबित होने लगा। सारे होटल पैक रह रहे हैं। निवेश का माहौल पूरी तरह से इसलिए नहीं बन पाया क्योंकि निवेशकों में असुरक्षा की भावना कम नहीं हुई है, फिर भी घाटी में बाहरी के जमीन खरीदने के दो मामले आए। घाटी के मुकाबले जम्मू में निवेशकों का उत्साह ज्यादा है। हाल के वर्षों में आतंकियों पर नकेल डाली गई तो आतंक से जुड़े युवाओं को मुख्यधारा में लाने की पुरजोर कोशिशें भी हुईं। कश्मीरी पंडित भले असुरक्षा की भावना से अब भी पूरी तरह से कश्मीर लौटने का साहस नहीं जुटा पा रहे हों लेकिन प्रधानमंत्री पैकेज के तहत करीब 5-6 हजार कश्मीरी पंडितों ने नौकरियां हासिल कर घर वापसी की है। 370 की वापसी से पहले भी जम्मू-कश्मीर में आतंकी सगंठनों द्वारा भटकाव के शिकार पत्थरबाज युवाओं या संगीनें थामने वालों को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए नौकरियों में अवसर प्रदान किए गए। कुछ ने नौकरियां हासिल कर ली लेकिन वे तब भी साजिश के हिस्सा या सूत्रधार बने रहें। अब जब कश्मीरी पंडितों को पीएम पैकेज के तहत नौकरियां मिल रही हैं तो तेजी से उनकी घर वापसी का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ऐसे में आतंकियों ने राहुल भट्ट, टीवी कलाकार आमरीन और शिक्षिका के बाद अब राजस्थान से जुड़े बैंक प्रबंधक को निशाना बनाकर डर का माहौल पैदा किया है। ऐसा तब भी किया गया, जब बिहार से जुड़े मजदूरों के सामूहिक कत्लेआम किए गए। खूनखराबे से कश्मीरी बनाम गैर कश्मीरी का जहर घोलने की साजिश लगातार जारी है। डर का माहौल पैदा करने के पीछे कश्मीरी पंडितों की घर वापसी को रोकना और गैर कश्मीरियों व हिंदू अल्पसंख्यकों को वादियों में सुकून की सांस लेने से रोकने का नापाक इरादा साफ है। अब 30 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू होने जा रही है, यह आस्था का सवाल है। कोरोना की वजह से दो साल से अमरनाथ यात्रा नहीं हो पाई। इस बार भव्य यात्रा की तैयारी की गई है। आमतौर पर अमरनाथ यात्रा में पहले 2-3 लाख श्रद्धालु शामिल होते थे। इस बार उम्मीद की जा रही है कि यह संख्या पहले से ज्यादा होगी। तैयारी तो 5 से 8 लाख श्रद्धालुओं के हिसाब से की जा रही है। अमरनाथ यात्रा के पंजीयन की शुरुआत में ही 1 जून तक यह आंकड़ा ढाई लाख को छू चुका है। ऐसे में अमरनाथ यात्रा की आस्था में अशांति की ताजा घटनाएं भी खलल की साजिश का हिस्सा हैं।

कश्मीर पर सामयिक विश्लेषण

कश्मीर की वादियों से सीमा पार तक से रची जा रही इस साजिश के जरिये कश्मीरी पंडितों की वापसी, अमरनाथ यात्रा और लोकतंत्र की खातिर होने वाले चुनाव में खलल के नापाक मंसूबे साफ झलक रहे हैं।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर के परिसीमन के बाद से लोकतंत्र की खातिर चुनावी सुगबुगाहट शुरू हो चुकी है। हालांकि, परिसीमन का विवाद फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और गर्मी की छुट्टी के बाद ही इस पर सर्वोच्च अदालत ने गौर करने का मन बनाया है,लेकिन गुपकार गुट से लेकर तमाम राजनीतिक पार्टियां परिसीमन को लेकर सवाल खड़े कर चुकी हैं।

हरि वर्मा

मिला जुला

सब झूठ है, मैंने खुद कागज देखे हैं'

यमुना में दिखी जहरीली झाग तो कुमार विश्वास ने केजरीवाल सरकार पर यूं किया कटाक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली की केजरीवाल सरकार के लाख दावों के बाद भी यमुना नदी में प्रदूषण कम नहीं हो रहा है। 2 जून को यमुना नदी में जहरीला झाग देखा गया। जिसके बाद मशहूर कवि और आम आदमी पार्टी का हिस्सा रहे कुमार विश्वास ने ट्विटर पर यमुना नदी का वीडियो शेयर करते हुए केजरीवाल सरकार पर तंज कसा है।

कुमार विश्वास ने ली चुटकी- कुमार ने एएनआई का वीडियो शेयर करते हुए लिखा,'ये झूठी बात है। हम कट्टर देशभक्त पार्टी हैं। मैंने खुद यमुना जी के कागज देखे हैं।' कुमार विश्वास के इस ट्वीट पर लोगों ने भी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। भावेश कुमार पांडे ने लिखा, 'कागज में तो सब ठीक है, केजरीवाल ने लेमिनेट करा के रखा है।' एक यूजर ने लिखा, 'कविराज आज फॉर्म में हैं।' अन्य ने लिखा, 'केजरी मफलर मास्टर झूठ फेकता है बस।'

कुमार मीणा ने लिखा, 'सब के सब चोर हैं साहब, आप इस दलदल से निकल गए।' आशीष पाठक ने लिखा, 'केजरीवाल कहेंगे, सब मोदी जी, अमित शाह जी की चाल है, नहीं तो यमुना एकदम साफ हो चुकी है।' केसी ने लिखा, 'बादल आसमान से धरती पर तो ले आए 'सड़जी', अब और क्या चाहिए?'

कुमार विश्वास के अलावा भारतीय जनता पार्टी के चर्चित नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा ने भी केजरीवाल पर निशाना साधा है। उन्होंने भी ट्विटर पर यमुना नदी का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'बधाई दिल्ली, दिल्ली में स्नोफॉल करवा दिया- केजरीवाल।'

बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने 1 जून को बुराडी में स्थापित कोरोनेशन प्लांट का निरीक्षण किया था। जहां उन्होंने कहा था कि कोरोनेशन प्लांट से दिल्ली में पानी की मांग को पूरा किया जाएगा और यमुना का जल भी स्वच्छ होगा। लेकिन 2 जून को यमुना नदी में सफेद रंग का जहरीला झाग बहता देखा गया। यमुना नदी को लेकर फिर से राजनीति शुरू होती नजर आ रही है।

खालसा कॉलेज में हुई फायरिंग पर भी कसा तंज- उधर, पंजाब के अमृतसर में खालसा कॉलेज के बाहर 1 जून को दो गुटों में विवाद हो गया, फायरिंग भी हुई। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने इस घटना को रूटीन क्राइम करार दिया। कुमार विश्वास ने ट्विटर पर इस खबर को शेयर करते हुए पंजाब सरकार पर तंज कसा है। कुमार ने लिखा है, 'रूटीन क्राइम (नियमित अपराध)?'।

कई अस्पताल में भर्ती

पंजाब की फिरोजपुर जेल में मूसेवाला की हत्या को लेकर कैदियों में मारपीट

पंजाब के मशबूर सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या को लेकर बुधवार को फिरोजपुर जेल में कैदियों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया. विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुटों के बीच जमकर मारपीट भी हुई. इस दौरान करीब एक दर्जन कैदी घायल हो गए. वहीं करीब चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि दोनों गुटों के बीच मूसेवाला की हत्या को लेकर बहस हो गई थी.

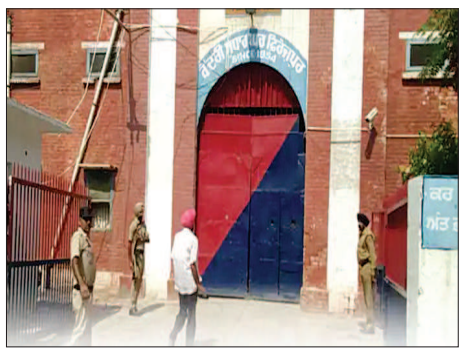

जेल में हुई हिंसा की बात गुप्त रखी गई थी- सूत्र

अंग्रेजी वेबसाइट टाइम्स ऑफ इंडिया ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि जेल में हुई हिंसा की बात गुप्त रखी गई थी. जेल अधिकारियों का कहना है कि एक पक्ष मूसेवाला की हत्या को गलत बता रहा था, जबकि दूसरा पक्ष सही बता रहा था. इसके बाद मामला इतना बढ़ गया कि दोनों गुटों में मारपीट शुरू हो गई. सूत्रों का यह भी कहना है कि घटना के वक्त जेल के अंदर कैदियों को रोकने के लिए भी इंतजाम नहीं थे, जिससे हिंसा बढ़ती चली गई. गौरलतब है कि मूसेवाला की हत्या के बाद पंजाब पुलिस इस मामले में पूछताछ के लिए दो अपराधियों को पेशी वारंट पर जेलों से भी लाई है.

अमित शाह और डोभाल की 2 दिन में 2 बैठक, आतंकियों के लिए बन गया प्लान!

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकी चुन-चुनकर कश्मीरी पंडित, गैर-कश्मीरी हिंदुओं और वतनपरस्त मुस्लिमों की हत्याएं कर रहे हैं। 3 दिनों में 3 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। घाटी में इस साल अबतक 18 टारगेट किलिंग हो चुकी है। एक के बाद एक इन घटनाओं से 90 के दशक के भयावह दौर की यादें ताजा हो चुकी हैं। घाटी से एक बार फिर बचे-खुचे कश्मीरी पंडितों का पलायन शुरू हो गया है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गृह मंत्री अमित शाह लगातार दूसरे दिन उच्चस्तरीय बैठक करने जा रहे हैं। सरकार ने टारगेट किलिंग कर रहे आतंकियों से निपटने के लिए एक पुख्ता प्लान की रूपरेखा भी तैयार कर ली है। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने आतंकियों के सफाये के लिए एंटी-टेरर ऑपरेशन तेज किया है। इसके अलावा 2019 में आर्टिकल 370 के तहत राज्य को मिले विशेष दर्जे को खत्म किए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने और पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ स्थानीय स्तर पर उठती आवाज से आतंकी बौखलाए हुए हैं। इसी बौखलाहट में वे टारगेट किलिंग कर रहे।

उत्तराखंड के सीएम धामी ने जीता चंपावत उपचुनाव

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत निर्वाचन क्षेत्र सीट से चुनाव जीत लिया है. सीएम पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत उपचुनाव में रिकार्ड जीत दर्ज करते हुए अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस की निर्मला गहतोड़ी को 55 हजार से अधिक मतों से पराजित किया है. वहीं इस शानदार जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धामी को बधाई दी और विश्वास जताया कि वे अब राज्य की प्रगति के लिए और भी मेहनत करेंगे।

2000 करोड़ रुपए का कथित घोटाला! 'आप' को सिसोदिया की गिरफ्तारी का डर

भाजपा नेताओं ने 2000 करोड़ रुपए के कथित घोटाले की शिकायत की थी, जिसे एसीबी के पास भेजा गया था

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दावा किया कि स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के बाद अब उनकी सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी हो सकती है। उन्होंने कहा किसी फर्जी मामले में उन्हें फंसाया जा सकता है। अब आम आदमी पार्टी ने यह भी बताया है कि किस केस में सिसोदिया को जेल भेजे जाने का आशंका है। पार्टी का दावा है कि केंद्र ने सिसोदिया को फंसाने के लिए 3 साल पुराना एक मामला उठाने की साजिश रची है। आप नेता आतिशी ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दावा किया कि केंद्र ने सिसोदिया को गिरफ्तार करवाने के लिए अपनी सभी जांच एजेंसियों, आयकर, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), दिल्ली पुलिस और सीबीआई को 'फर्जी' मामले की तैयारी शुरू करने का आदेश दिया है। उन्होंने दावा किया कि स्वास्थ्य और बिजली समेत विभिन्न विभागों का कामकाज संभाल रहे सत्येंद्र जैन को 'बिना किसी नए सबूत के' प्रवर्तन निदेशालय ने एक मामले में गिरफ्तार किया।

स्कूल निर्माण में घोटाले की शिकायत

आतिशी ने एक कथित दस्तावेज दिखाया जिसमें भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने भाजपा की दिल्ली इकाई के नेताओं हरीश खुराना और नीलकांत बख्शी से उनके द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के सिलसिले में अतिरिक्त ब्योरा और दस्तावेज मांगे थे। इन दोनों भाजपा नेताओं ने शिकायत की थी कि सिसोदिया और जैन विद्यालय कक्षाओं और भवनों के निर्माण में 2000 करोड़ रुपए के घोटाले में शामिल थे। यह शिकायत नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त को 2 जुलाई, 2019 को की गई थी, जिसे एसीबी के पास भेजा गया था।

पूछा 3 साल से कहां था केस- आतिशी

आतिशी ने कहा, ' यह मामला पिछले 3 सालों से कहां था? इस मामले में कुछ नहीं हुआ क्योंकि सभी एजेंसियां जानती थीं कि इसमें भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं। केंद्र आप विधायकों के पीछे क्यों पड़ा है?' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री (अरविंद) केजरीवाल ने कुछ महीने पहले उनकी गिरफ्तारी की आशंका प्रकट की थी और वही हुआ भी। अब हमें पता चला है कि सिसोदिया गिरफ्तार होने जा रहे हैं।'

ईंट भट्ठे से वापस लौटे मजदूरों की दारूण यथा-कथा

कमाने गये थे माल, लौटे होकर कंगाल, मजदूर दलाल हुए मालामाल

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

उत्तर प्रदेश के ईंट भट्ठों मे दिन रात मेहनत करने के बाद भट्ठा दलालों को लाखों रुपयों के कमीशन देने के बाद भी मजदूर नम आंखों से अपने सिर पर कर्ज का बोझ लाद कर वापस अपने घर पहुंच रहे हैं। मजदूरों की दयनीय हालत देखकर किसी भी भावुक इंसान की आंखे डबडबा सकती है। सितंबर से नवम्बर माह में क्षेत्र से अन्य प्रान्तों के ईंट भट्ठों में काम करने गए मजदूर अब तेजी से वापस लौटने लगे हैं। वापस आने वाले मजदूरों में अनेक मजदूर तो ऐसे भी है। जिन्होंने काम के लिए मेहनत तो बहुत की परन्तु वापस वे कर्ज लेकर ही घर पहुंचे हैं। जबकि इन मजदूरों को भट्ठा तक पहुंचाने वाले दलाल घर बैठे मजदूरों को मिलने वाली लाखों रुपये कमाई की राशि स्वयं कमीशन के रूप में हड़प रहे हैं।

हजार ईंट बनाई 4000 कर्ज लेकर आये

रविवार को उत्तरप्रदेश के सिद्धार्थ नगर से बस द्वारा सीधे पिथौरा बस स्टैंड में उतरे बया निवासी एक मजदूर युवक ने बताया कि वे अपने परिवार के कुल 7 लोग, सिद्धार्थ नगर के भडलिया स्थित ईंट भट्ठा में कार्य कर रहे थे। उनके साथ एक सात साल तो एक तीन साल के बच्चे भी थे। यहां उन्हें ईंट निर्माण की मजदूरी 600 रुपये प्रति हजार दी गई। जबकि मजदूरों द्वारा बनाई गई ईंट पर 600 रूपए की दलाली इन्हें भट्ठा तक पहुंचाने की दी गयी। कुल मजदूरी 1200 रुपये प्रति हजार ईंट निर्माण के दिये गये हैं। जिसे मजदूर एवं दलाल के बीच आधा आधा बंटवारा हो जाता है। इस बार उक्त परिवार ने 82 हजार ईंट बनाई थी। जिसकी मजदूरी 49 हजार दो सौ रुपये की मजदूरी बनी। अब भट्ठा दलाल रामलाल ने इस परिवार से कहा कि और चंद रुपये एडवांस के मिलाकर 53 हजार रुपये का हिसाब निकल दिया। मतलब अब ये मजदूर परिवार दिन रात की मेहनत के बाद भी 4 हजार का कर्ज लेकर घर लौटे हैं।

बेमानी साबित होती, शासन की योजनाये

जंगल के समीप बसे कंवर आदिवासी परिवार के उक्त परिवार के मुखिया मोतीलाल से भट्ठा जाने का कारण पूछने पर उसने क्षेत्र में काम नहीं होना बताया। मोती के पास कोई डेढ़ एकड़ जमीन भी है। इस जमीन पर वह खेती भी करता है परन्तु धान आवश्यकता अनुसार थोड़ा थोड़ा बेच कर खाते हैं जिससे उन्हें राज्य सरकार की राजीव न्याय योजना हो या केंद्र की किसान सम्मान निधि। दोनों का लाभ नहीं मिल पाता लिहाजा ग्रामीण जनप्रतिनिधियों एवं सरकारी नुमाइंदों से उपेक्षित हो कर भट्ठा जाना ही इनकी नियति बन चुका है।

दलाली में दलाल बने करोड़ों के आसामी

क्षेत्र के मजदूरों को भट्ठा मालिकों से अग्रिम लेकर मजदूरों को उधार देने वाले मजदूर अपने इस कार्य में प्रति वर्ष लाखों से करोड़ तक कि कमाई करते है। इन भट्ठा दलालों के रौब इतना है कि इनसे पूछताछ करने का साहस भी नीचे स्तर के अफ्सर नहीं कर सकते। जिससे इन दलालों के पास करोड़ों की प्रॉपर्टी हो गयी है। एक छोटे ठेकेदार ने बताया कि अब मजदूर दलाली का कार्य एक ऐसा उद्योग बन गया है जिसमें ना तो जीएसटी का झंझट और ना हो आयकर का कोई झमेला। बताया जाता है कि भट्ठा दलालों के रुतबा इतना ज्यादा होता है कि इनके सामने पुलिस भी नतमस्तक दिखाई देती है। एक पूर्व थानेदार ने तो मजदूर लेजाने की शिकायत पर कार्यवाही करने की बजाय शिकायत करता को उन्हें अधिकार नहीं है कह कर चलता कर दिया था।

25 से 50 हजार भी कमाते हैं मजदूर

कर्ज लेकर आने वाले मजदूरों के अलावा वापस आ रहे मजदूरों में कुछ मजदूर ऐसे भी है जो 25 से 50 हजार रुपये तक नगद लेकर घर पहुंचते हैं। परन्तु लगातार 6 से 7 माह तक मेहनत करने वाले इन मजदूरों के 50 हजार कमाई के रुपये भी घर आते ही खर्च हो जाते है। बहरहाल समृद्ध छत्तीसगढ़ में भट्ठा मजदूर दलाल एक कलंक के टीके के समान है जो कि मजदूरों को शासन की योजनाओं से पहले वंचित करते है। फिर उन्हें कर्ज देते है। इसके बाद इसी कर्ज को उतारने उन्हें भट्ठा की हाड़तोड़ मेहनत में झोंक कर स्वयम धन कमाते है।

आयकर विभाग को जागने की जरूरत

अपने क्षेत्र में बगैर कोई व्यवसाय या कृषि के प्रतिवर्ष करोड़ों की बेहिसाब संपत्ति बनाने वाले भट्ठा दलालों पर अब मात्र आयकर विभाग ही कार्यवाही करने में सक्षम हो सकता हैं। दलालों की सम्पत्ती की जांच की जाय तो शासन को करोड़ो की बेहोसब सम्पत्ती का पता चल सकता है।

एक नजर

मई माह का राशन उठाने से छुटे उपभोक्ताओं को 7 जून तक मौका

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

राज्य शासन द्वारा महासमुंद जिले के अंतर्गत संचालित समस्त उचित मूल्य की दुकानों में संलग्न राशनकार्डधारी जो किसी कारणवश माह मई में ई-पॉश मशीन के माध्यम से खाद्यान्न का उठाव नहीं कर पाये हैं तथा खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित हो गए हैं, ऐसे समस्त राशन कार्डधारियों की माह मई के खाद्यान्न वितरण की पात्रता 7 जून तक वृद्धि कर दी गई है। जो राशनकार्डधारी माह मई का राशन उठाव अब तक नहीं कर पाए हैं, वे इस माह की 7 तारीख तक पूर्व माह मई के खाद्यान्न का उठाव कर सकते हैं। इस संबंध में शासन द्वारा जिले के समस्त उचित मूल्य दुकानों के ई-पॉश मशीन में आवश्यक प्रावधान उपलब्ध करा दिया गया है।

उचित मूल्य दुकान के संचालन हेतु आवेदन की तिथि 09 जून तक

जोहार छत्तीसगढ़=महासमुंद।

सरायपाली अनुविभाग के अंतर्गत 11 ग्राम पंचायतों छिबर्रा, खैरझिटकी, अंतरझोला, कलेंडा, माधोपाली, गोहेरापाली, अंतर्ला, कसडोल, लिमगॉव, परसकोल एवं जलपुर में नवीन उचित मूल्य की दुकान का आबंटन किया जाना है। छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2016 के तहत विकासखंड में स्थित वृहत्ताकार आदिम जाति बहुद्देशीय सहकारी समितियों, प्राथमिक कृषि साख समितियों, वन सुरक्षा समितियों, महिला स्व-सहायता समूहों, ग्राम पंचायतों अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियों में जो उचित मूल्य की दुकान के संचालन हेतु इच्छुक है, समितियों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र समस्त दस्तावेजों के साथ आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक संस्था विहित प्रारूप एक में अपना आवेदन 9 जून 2022 तक अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय सरायपाली में कार्यालयीन अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

पीएटी एवं पीव्हीटी परीक्षा 5 जून को बेमेतरा में बनाये गये तीन केन्द्र, 1072 परीक्षार्थी होंगे शामिल

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

छग व्यावसायिक परीक्षा मंडल व्यापम रायपुर द्वारा रविवार 5 जून 2022 को पीएटी पीहीटी प्रवेश परीक्षा पूर्वान्ह 9 से 12:15 बजे तक आयोजित है। जिला बेमेतरा अंतर्गत उक्त परीक्षा में कुल 1072 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। जिला मुख्यालय बेमेतरा में यह परीक्षा तीन केन्द्रों में संचालित होगी। सुविधा की दृष्टि से पीसीबी प्लस पीसीएम ग्रुप के परीक्षार्थियों हेतु लक्ष्मण प्रसाद बैद्य शासकीय कन्या महाविद्यालय बेमेतरा तथा शासकीय कन्या उ मा विद्यालय बेमेतरा को एवं एजी ग्रुप के परीक्षार्थियों हेतु शास पं जवाहर लाल नेहरू विज्ञान एवं कला स्नातकोत्तर महा. बेमेतरा इस प्रकार कुल 3 परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। कलेक्टर बेमेतरा विलास भोसकर संदीपान ने उक्त परीक्षा के सुचारू रूप से संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर सुश्री हीरा गवर्ना को नोडल अधिकारी एवं आशुतोष गुप्ता, तहसीलदार बेमेतरा को सहायक नोडल नियुक्त किया गया है तथा समस्त परीक्षा केन्द्रों में गोपनीय सामग्री पहुंचाने एवं पर्यवेक्षण कार्य हेतु पृथक-पृथक पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। केन्द्रों में नकल अथवा अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकने व आकस्मिक निरीक्षण हेतु जिला प्रशासन की ओर से अरविन्द मिश्रा जिला शिक्षा अधिकारी, बेमेतरा के नेतृत्व में उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। सभी परीक्षार्थियों को मास्क लगाना अनिवार्य है एवं अपने साथ हैण्ड सैनिटाइजर की छोटी पारदर्शी बॉटल रख सकते हैं। परीक्षा केन्द्रों में अभ्यर्थियों को भारत सरकार, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा कोविड-19 महामारी से बचाव के संबंध में जारी अद्यतन निर्देशों का पालन अनिवार्य है। परीक्षा प्रारम्भ होने से एक घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्रों में अपना एडमिट कार्ड तथा मूल पहचान पत्र जैसे- आधार कार्ड, वोटर आईडी, पेन कार्ड, ड्राईविंग लायसेंस अथवा व्यापम के निर्देशानुसार अन्य आईडी प्रूफ सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें। मूल प्रति के अभाव में अथवा परीक्षा प्रारम्भ होने के 15 मिनट पश्चात् प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

सीतापुर विकासखंड में मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़–धरमजयगढ़।

मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा व व्यक्तिगत सुरक्षा का तीन दिवसीय संकुल स्तरीय प्रशिक्षण सीतापुर विकासखंड के सभी 30 संकुलों में 30 मई 22 व 31 मई 22 एवं 2 जून 22 को विकासखंड शिक्षा अधिकारी मिथिलेश सिंह सेंगर के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। नए शिक्षा सत्र के प्रारंभ के पूर्व इस तीन दिवसीय संकुल स्तरीय मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा के प्रशिक्षण में सीतापुर के लगभग 30 संकुलों में विकासखंड शिक्षा अधिकारी सीतापुर मिथिलेश सिंह सेंगर व एबीईओ महेश सोनी ने दौरा कर संस्था प्रमुखों व उपस्थित सभी शिक्षकों को नए शिक्षा सत्र में समय पर स्वयं के उपस्थिति का ध्यान रखते हुए पूरी ऊर्जा व ईमानदारी के साथ शाला संचालन करने व बच्चों को गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने की नसीहत दी। विकास खंड शिक्षा अधिकारी मिथिलेश सेंगर ने कहा कि उक्त प्रशिक्षण प्राप्त कर आप सभी अपने-अपने संकुलों व स्कूलों के बच्चों के साथ साथ समाज व समुदाय के सदस्यों को भी इस प्रशिक्षण के अवगत करा जागरूक करें जिससे वे भी आत्म सुरक्षा के उपायों से परिचित हो अपनी व दूसरे की सुरक्षा कर सके। सहायक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी महेश सोनी ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षको का मूल कार्य है बच्चों को पढ़ाना व बच्चों का सर्वांगीण विकास करना इसी पर अपना ध्यान केंद्रित कर हमेशा कार्य करे। तभी हम समाज मे अपना पुराना गौरव पुन: प्राप्त कर सकते हैं। बीआरसी रमेश सिंह व बीपीओ प्रेम गुप्ता ने भी कई संकुलों का दौरा कर संकुल में चल रहे प्रशिक्षण में शिक्षकों को समय पर उपस्थिति व अपने दायित्वों के निर्वहन के प्रति सचेत करते हुए नए शिक्षा सत्र में सभी बच्चों को प्रवेशित करने पर जोड़ दिए। सीतापुर विकासखंड के सभी 30 संकुलों में हुए मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा व व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रशिक्षण को संकुल समन्वयक व मास्टर ट्रेनर शिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। बीईओ सेंगर ने नए शिक्षा सत्र के प्रारम्भ के पूर्व स्कूलों में कसावट लाने व विभागीय कार्यो की समीक्षा करने हेतु सीतापुर विकास खण्ड के सभी प्राथमिक व पूर्व माध्यमिक शालाओ के संस्था प्रमुखों व सभी संकुल समन्वयकों की बड़ी बैठक शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल सीतापुर के सभाकक्ष में 14 जून 22 को प्रथम चरण में 15 संकुलों का 10 बजे से 01 बजे तक व द्वितीय चरण में 15 संकुलों का 1.30 बजे से 4.30 बजे तक आयोजित की है जिसमे सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू के विरुद्ध शिकायत में प्रधानमंत्री कार्यलय ने लिया संज्ञान

शिकायतकर्ता प्रीतम सिन्हा भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य

जोहार छत्तीसगढ़–देवभोग।

प्रीतम सिन्हा भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री को सुब्रत साहू अपर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन द्वारा करोड़ों रूपये के कार्य में ठेकेदार के साथ मिल कर पद का दुरूपयोग कर फर्जी बिल वाउचर, कूटरचना, साजिश, मनमानी, अनैतिक लाभ गुणवत्ताहीन कार्य कर करोड़ों रूपये की अनियमितता कर शासन को राजस्व हानि पहुंचाने के खिलाफ विधि सम्मत कार्यवाही करने की शिकायतकर्ता द्वारा शिकायत में जल संसाधन संभाग गरियाबंद छग शासन के अधीनस्थ पैरी परियोजना अंतर्गत वर्ष 2020-21 में स्वीकृत कार्य लागत रूपये 44 करोड़ के कार्य पैरी दायी मुख्य नहर लाइनिंग कार्य 6477 से 36900 मीटर और फिं गेश्वर डिस्ट्रीब्यूटारी मासूल के पहले 1524 मीटर और मासूल के बाद 1524 मीटर से 48371 मीटर एवं शेष मरम्मत कार्य 26 मई 2020 मेसर्स अशोक कुमार मित्तल, क्लास ठेकेदार को 2020-21 एवं 26मई 2020 को अनुबंध हुआ है। शासन द्वारा अनुबंधकर्ता और विभागीय अधिकारियों से मिलीभगत कर खास मुख्तारनामा तैयार कर अनिल सिंह चंदेल आत्मज निवासी रायपुर के नाम पर 15 जून 2021 को कार्य से संबंधित समस्त अधिकार प्रदत्त करते हुए खास मुख्तारनामा में दर्ज कर कार्य सुपुर्द किया गया अनिल सिंह चंदेल द्वारा उक्त स्वीकृत कार्य की समस्त जिम्मेदारी प्रदाय होने के उपरांत प्रशासकीय अधिकारी के साथ आत्मीय संबंध के चलते विभागीय अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर गुणवत्ताहीन कार्य, आर्थिक भ्रष्टाचार एवं कूटरचना का शासन को करोड़ों की हानि पहुंचाई है। चूंकि सुब्रत साहू स्वयं छत्तीसगढ़ शासन में अपर मुख्य सचिव पद कार्यरत रहे थे, सुब्रत साहू द्वारा अनिल सिंह चंदेल से संबंधों के चलते नियम विरूद्ध अनैतिक कार्य, भ्रष्टाचार, गुणवत्ताहीन कार्य पर भी फ र्जी बिल वाउचर के माध्यम से करोड़ों का आर्थिक लाभ पहुंचाया गया।

एकलव्य आवासीय विद्यालय में विषयवार शिक्षकों की पूर्ति के लिए हुआ वॉक इन इंटरव्यू

15 विषय पर साक्षात्कार के लिए पहुंचे 800 अभ्यर्थी

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

स्थानीय प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जिला महासमुंद की भोरिंग में संचालित है उक्त संस्था में कक्षा छठवीं से बारहवीं तक छात्र-छात्राओं को आवासीय सुविधा देकर अध्यापन कार्य कराया जा रहा है। इस तरह अध्यापन हेतु विषयवार शिक्षकों की आवश्यकता होने के फ ल स्वरुप 1 जून 2022 एवं 2 जून 2022 को वॉक इन इंटरव्यू हेतु अभ्यर्थियों को बुलाया गया था 1 जून 22 को व्याख्याता पद हेतु अभ्यर्थियों को बुलाया गया तथा 2 जून 2022 को शिक्षक पद हेतु अभ्यर्थियों को बुलाया गया उक्त दोनों दिवस में लगभग 800 छात्र-छात्राओं ने साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। उक्त संस्था में कुल 15 विषय हेतु साक्षात्कार लिया गया। साक्षात्कार में छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली प्रमाण पत्रों का सत्यापन कार्य किया गया। अभ्यार्थियों का चयन उनके योग्यता के आधार पर प्राप्तांको जो कि उनके विशेष योग्यता एवं अनुभव आदि के आधार पर चयन किया जाना है। महासमुंद कलेक्टर निलेश कुमार क्षीरसागर के निर्देशन एवं आदिवासी विभाग के आयुक्त एलआर कुर्रे के मार्गदर्शन में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्राचार्य तुलेंद्र कुमार सागर को नियुक्त किया गया। उक्त कार्यक्रम में एससी प्रधान प्राचार्य, भरत साहू, महेश ध्रुव, विकास कुमार साहू, परस सिन्हा, गणेश कोसरे, सेवन दास मानिकपुरी, तोरण ध्रुव, राजेश्वर चंद्राकर, शशि साहू, निलेश खांडे, चित्र रेखा खांडे, नैना साहू, शोभना साहू सहित आदिवासी विकास विभाग के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

थाना भेजी क्षेत्र में सक्रिय महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

सुकमा जिले में सुन्दरराज पी पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज जगदलपुर राजीव कुमार ठाकुर उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ परिचालन कोंटा रेंज के मार्गदर्शन सुनील शर्मा पुलिस अधीक्षक सुकमा, नितीन कुमार कमाण्डेन्ट 219 वाहिनी सीआरपीएफ के निर्देशन पर चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन की शुपुनर्वास नीति के प्रचार-प्रसार तथा सुकमा पुलिस द्वारा चलाये जा रहे शूपूना नम अभियानश् नई सुबह नई शुरूवात से प्रभावित होकर नक्सल संगठन से जुड़े 1 महिला नक्सली कवासी आयते कोंटा जनमिलिशिया सदस्या साकिन थाना भेजी क्षेत्र द्वारा गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में किरण चव्हाण अति.पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया। कवासी आयते को समर्पण कराने प्रोत्साहित करने में सहायक कमाण्डेन्ट सतीश सांगवान 219 वाहिनी सीआरपीएफ गिरिजा शंकर साव उप पुलिस अधीक्षक नक्स आप्स कोंटा, रोहित शुक्ला पुलिस अनुविभागीय अधिकारी कोंटा एवं निरीक्षक देवेन्द्र ठाकुर थाना प्रभारी भेजी, निरीक्षक शिवानंद थाना प्रभारी कोंटा का विशेष प्रयास रहा। आत्मसर्पित महिला नक्सली को कोंटा जनमिलिशिया कमाण्डर सोड़ी गजेन्द्र द्वारा नक्सली संगठन में वर्ष 2019 में भर्ती कराया गया था संगठन में लगभग 4 माह एसीएम वेट्टी कन्नी के साथ, लगभग एक से डेढ़ वर्ष तक पोलमपल्ली, लओएस कमाण्डर वेट्टी भीमा के साथ कार्य बाद वापस कोंटा जनमिलिशिया में सदस्या के रूप में कोंटा पंचायत अन्तर्गत ग्राम बालनतोंग, गोमपाड़, भण्डारपदर, किंदरेलपाड़ के जनमिलिशिया कमाण्डर गजेन्द्र के साथ कार्य रही थी। आत्मसमर्पित महिला नक्सली थाना भेजी एवं कोंटा के क्षेत्र में घटित विभिन्न नक्सली गतिविधियों में सम्मिलित रही। आत्मसमर्पित नक्सली को शासन की पुनर्वास योजना के तहत नियमानुसार प्रोत्साहन राशि व अन्य सुविधा प्रदाय किया जायेगा।

एक पुलिस चौकी ऐसा भी जहां 21 साल तक कोई भी प्रभारी 1 साल भी नहीं टिका

पहली बार धनेश तांडेकर ने तोड़ा रिकार्ड, ग्रामीणों ने दी शुभकामनाएं

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

जिले की सीमा से सटे बार क्षेत्र में बलौदा बाजार जिले की पुलिस चौकी बया में पदस्थ चौकी प्रभारी धनेश तांडेकर पहले ऐसे चौकी प्रभारी है जिन्होंने चौकी स्थापना के बाद एक वर्ष पूर्ण किया है। एक साल के कार्यकाल सफ लता पूर्वक पूर्ण होने पर ग्रामीणों ने शुभकामनाएं दी है। बया चौकी बलोदा बाजार जिला मुख्यालय से 70 किलोमीटर दूरी पर स्थित है बयां चौकी की स्थापना 2004 में की गई थी 21 साल के कार्यकाल में पुलिस चौकी बया में कोई भी प्रभारी 1 साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया पुलिस चौकी में पदस्थ प्रभारी धनेश टाडेकर ने कुछ दिन पहले ही अपना 1 साल का कार्यकाल पूर्ण कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया है। अपने कार्यकाल में उन्होंने नया पुलिस चौकी भवन का निर्माण करए पूरे चौकी प्रांगण में 50 से भी अधिक फ लदार व छायादार वृक्षों हेतु पौधरोपण, चौकी परिसर में प्याऊ स्थापना, बैरक निर्माण, चौकी समतलीकरण, मंदिर निर्माण सहित अनेकों कार्य करवाये है, अपने 1 साल के कार्य के दौरान उन्होंने शराब के कुल 80 प्रकरण, जुआ एक्ट के 6 प्रकरण बनाए जो की पूरे 21 साल में इतने अपराध दर्ज नहीं किए गए ग्राम छतआल डबरा मर्डर केस में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा उत्कृष्ट कार्य व मर्डर के आरोपी को पकड़ने के लिए प्रशस्ति पत्र से भी सम्मानित किया गया बया चौकी के अंतर्गत कुल 36 गांव आते हैं जिसमें से बयां चौकी से दूरी 55 किलोमीटर से अधिक है चौकी के अंतर्गत 36 गांव है जबकि जिले के बड़े-बड़े थाना में उतने गांव नहीं आते हैं। जबकि पूरा क्षेत्र जंगलों से घिरा होने के बाद भी उन्होंने अपना काम निष्ठा से किया हैं। चौकी क्षेत्र में पर्यटन क्षेत्र बार नावापारा, देव हिल्स सहित कई रिसोर्ट होने के बाद दी आए दिन वीआईपी अधिकारियों मंत्रियों का दौरा होने के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था के प्रति मुस्तैदी ड्यूटी दी गई चौकी प्रभारी से चर्चा पर उन्होंने बताया पुलिस चौकी चौकी के अंतर्गत ग्रामवासी सभी व्यवहार कुशल, मिलनसार हैं सभी का व्यवहार बहुत अच्छा है पुलिस का सहयोग भी करते हैं अपने 1 साल के कार्यकाल के लिए चौकी क्षेत्र के सभी ग्रामवासी सहित सभी जिला के पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है।

अमाड पंचायत के मनरेगा काम में भारी धांधली

कुआं जेसीबी से तो वही भूमि सुधार कार्यों में मजदूरों के संख्या में हेराफेरी

जोहार छत्तीसगढ़–देवभोग।

भ्रष्टाचार के चरम सीमा को लांघता अमाड पंचायत आहरण के बाद भी आहता निर्माण ना कराने के बाद अब मनरेगा के कार्यों में धांधली को लेकर चर्चा में आ गया है। इस पंचायत में मनरेगा के तहत 1 डबरी निर्माण 6 भूमि सुधार और 2कुंआ का काम चल रहा है।

मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद कामकाज का जिम्मेदारी पंचायत के सरपंच, अन्य पंचायत प्रतिनिधि के साथ*साथ मेट और जनपद कर्मचारी पर टिकी हुयी है। मनरेगा कामकाज के निरीक्षण की पूरी जिम्मेदारी जनपद पंचायत के तकनिकी सहायक के ऊपर है पर इस पंचायत में कामकाज के निरीक्षण व देखरेख के लिये ना तो कार्यस्थल मेट उपस्थित है और ना ही तकनिकी सहायक मौजूद रहते हैं कामकाज मजदूर भरोसे चल रहा है। ऐसे में मेट का मनमानी चल रहा है और कार्य पर 18 मजदूर काम कर रहे हैं उसे 34 मजदूर भरकर मस्टररोल तैयार किया जा रहा है। कार्य स्थल पर जनपद पंचायत का कोई जिम्मेदार उपस्थित नहीं होने के कारण मनरेगा कार्यों में भारी धांधली देखी जा रही है।

कुआं का काम मजदूरों से नहीं जेसीबी से कराया

सरकार मनरेगा के तहत गांव में रोजगार मुहैया कराने स्वीकृत काम को जाबकार्ड धारियों से कराती है मगर ग्राम पंचायत अमाड ने तो हद पार कर लिया देवशन पिता डमरू के निजी कुआं को जेसीबी से खोदवाया है। मेट ने मस्टररोल में जेसीबी के जगह जाबकार्ड धारियों का नाम भर कर मुख्यालय में जमा भी कर दिया हालांकि ऐसा करने वाला यह पहला पंचायत नहीं है ब्लॉक के कई पंचायतों में यह खेल चल रहा है।

पंचायत प्रतिनिधि या उनके परिवार के सदस्यों की हाजरी जरूरी होता है

अमाड में मनरेगा कार्यों में एक ऐसा नियम चल रहा है जिसमे प्रत्येक कार्य में पंचायत प्रतिनिधि या उनके परिवार के कम से कम दो सदस्यों का हाजरी बिना काम किये चढ़ाना जरूरी बन गया है। ऐसा नहीं करने पर पंचायत में काम भी नहीं करवाया जा सकता है। गांव में इस बात का भी जोरों से चर्चा है। मनरेगा के काम मे इसी पंचायत का वार्ड मेम्बर मेट का काम कर रहा है ऐसे में काला पीला छुपाने मस्टररोल में पंचायत प्रतिनिधियों का हाजरी चढ़ना भी जरूरी हो जाता है।

गांव की नहीं फिर भी उनके नाम काम स्वीकृत

ग्रामीणों के अनुसार मनरेगा के काम में कुछ ऐसे लोगों को भी लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिनकी शादी दूसरे गांव में हुयी है। पंचायत में चल रहे भूमि सुधार कार्यों में सरगीबहली के प्रियंका का और एक अन्य गांव की गंगावाली के नाम पर भी भूमि सुधार का काम स्वीकृत करवा लिया गया है। वही सुबुध्दी पिता रघु के भूमि सुधार में केवल परिवार के लोग ही काम कर रहे हैं और मस्टररोल में अन्य मजदूर का नाम चढ़ाने का आरोप भी है गांव वालों के अनुसार ऐसे फर्जी मस्टररोल के जरिये मनरेगा कार्यों में धांधली कर शासन को चुना लगाया जा रहा है।

अधिकारी कहते हैं ऐसा करना गलत है जांचकर भुगतान रोकेगे

जब इस संबंध में प्रभारी पीईओ रविकुमार सोनवानी से बातचीत की तो उनका कहना है मनरेगा कार्यों में ऐसा करना नियम के विरूध्द है जांच करवाई जायेगी और गड़बड़ी पायी जायेगी तो भुगतान रोकने की कार्यवाही की जायेगी।

एक नजर

किसानों को ऋण माफी और राजीव गांधी किसान न्याय योजना से मिला दोहरा लाभ

किसान कबूतरीबाई और बंसीलाल ने बताई अपनी कहानी

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

किसानों को ऋण माफी और राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत आदान सहायता राशि मिलने से दोहरा लाभ मिला है। बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत बिशुनपुर से किसानिन कबूतरीबाई को राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत कुल 70 हजार रुपये की राशि मिली है। इसके साथ ही वर्ष 2019 में उनका 13 हजार 382 रुपये कृषि ऋण भी माफ हुआ। कबूतरीबाई बताती हैं कि उन्होंने कुल 116 क्विंटल धान बेचा था जिसकी राशि 2.19 लाख रुपये खाते में मिले थे। इसी तरह बिशुनपुर के ही बंसीलाल भी कलेक्टर जनचौपाल के दौरान बताते हैं कि पिछले सीजन में 226 क्विंटल धान विक्रय से उन्हें कुल 1 लाख 36 हजार रुपए बोनस के रूप में प्राप्त हुए हैं, उन्होंने प्राप्त राशि का उपयोग खेती, बाड़ी, बच्चों के विवाह एवं बैल खरीदी में किया है। वहीं गांव के लखन यादव ने शर्मा को बताया कि ऋण माफी योजना की तहत उन्हें 1 लाख रुपए तक का ऋण माफ हुआ है।

सात दिवसीय शरबत स्टाल का शुभारंभ समृद्धि विहार गेट के पास

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

आय दिनों दिन काफी तपन वाली भीषण गर्मी पड़ रही है, कामकाजी लोग लगातार सड़कों पर आते जाते दिख रहे हैं, गर्मी से निजात दिलाने समृद्धि विहार के जन सेवकों द्वारा एक छोटा सा प्रयास ठंडे शरबत की व्यवस्था समृद्धि विहार के गेट के पास स्टाल लगा कर किया गया है, इंस्टॉल में प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से शाम 5 बजे तक ठंडी शरबत मिल सकेगी, जिसके लिए समृद्धि विहार कॉलोनी के निवासियों ने प्रत्येक दिन सेवा भाव से स्टाल में रखें दोनों कटेनर में शरबत की व्यवस्था करना बताया, वही स्टाल में दान बॉक्स भी रखा गया है, जिन्हें शक्कर या रसना पैकेट दान स्वरूप देना हो वो डिब्बे में सहयोग के रूप में दे सकता हैं, इस शरबत स्टॉल के संरक्षक समाजसेवी पुलिस भाई संदीप साहू ने बताया कि मेरे द्वारा जन सहयोग से थाना बेमेतरा के पास भी पियाऊ घर खोला गया है, जो उम्मीद से भी ज्यादा जन सहयोग के रूप में दान स्वरूप शक्कर, रसना पैकेट, दही आशीर्वाद स्वरूप प्राप्त हो रहा है, जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है, जनता का सहयोग यूं ही मिलता रहे भविष्य में और भी ए समाज हित कार्य जनता से मिलकर करना बताया, इस नेक शुभारंभ अवसर पर समृद्धि विहार से पर्मिला साहू, नीलम साहू, उमेश राजपूत, रूपेश पांडे, कमलेश साहू, डोमेंद्र पांडे, कुंजराम गेंडरे, अवधेश पटेल, संदीप यादव, ससांक भाई, मनोज शुक्ला, धर्मेंद्र देवांगन, पुलिस जवान समाज सेवक संदीप साहू, प्रदीप वर्मा उपस्थित रहे।

एकलव्य विद्यालयों में अतिथि शिक्षक भर्ती: वॉक इन इन्टरव्यू सात को

कोरबा । जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सत्र 2022- 23 के लिए अस्थायी रूप से हिन्दी/अंग्रेजी सीबीएसई पैटर्न पर शाला संचालन के लिए मानदेय पर अतिथि शिक्षको की भर्ती के लिए सात जून को वॉक इन इन्टरव्यू का आयोजन किया गया है। वॉक इन इन्टरव्यू के लिए आवेदन पत्र कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास कोरबा में आमंत्रित किया गया है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास माया वारियर ने बताया कि जिले मे संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में निर्धारित मानदेय पर अतिथि शिक्षकों की कुल नौ पदों में भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है।

सद्गुरु कबीर प्रगट संदेश यात्रा पहुंचा ग्राम नेवनारा यात्रा का किसान नेता के नेतृत्व में भव्य स्वागत

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

सदगुरु कबीर प्रगट उत्सव एवं सद्भावना संदेश यात्रा ग्राम कबीर कुटी बेमेतरा किसान नेता योगेश तिवारी ने बताया कि आज कबीर दास जी का सद्भावनाा संदेश यात्रा आज मेरे गृह ग्राम नेवनारा में पहुंचा है पुरे गांव के लोगों ने सदभावना संदेश यात्रा का भव्य स्वागत किया और महिला मंडली के लोगों ने भव्य कलश यात्रा निकालकर पुर गांव का भ्रमण किया और ये यात्रा सोंढ, बेरला कबीर आश्रम, बहेरा, मोहरेंगा, धौराभाटा, बिरोदा, गोता, माटरा, दारगांव, कोहड़िया, भिभौंरी, पिरदा, बेमेतरा विधानसभा के लगभग चालीस गांव का भ्रमण करते हुये दुर्ग जिले के लिए रवाना होगा। सदभावना संदेश यात्रा के प्रमुख संत महंत लीलाधर जी साहेब, ने अपने संबोधन में कबीर साहेब के सदभावना यात्रा के बारे में और कबीर पंथ के संत साहेब श्री प्रकाश मुनि नाम साहेब के संदेश को बहुत सरल ढंग से प्रवचन के माध्यम से सुनाया। और इस कार्यक्रम में महंत तुलसीदास साहेब जी के अथक प्रयास से कबीर पंथ बेरला क्षेत्र के अध्यक्ष तखतराम साहूड़ सुशील कुमार साहू सोंढ वाले अपने समय देकर बेमेतरा के अधिक से अधिक गांव में संदेश सदगुरु कबीर सद्भावना यात्रा को लेकर जा रहे हैं। और संबोधन के दौरान किसान नेता योगेश तिवारी ने कहा हम सब के लिए ये संदेश यात्रा सुखदमय है साहेब के आशिर्वाद हम सभी जीवों के ऊपर सदा बरसते रहे। साहेब बंदगी साहेब और ऐसा ही संदेश के माध्यम से आपसी प्रेम और भाईचारा बना रहे और कबीर साहेब का सदा आशीर्वाद बना रहे आज के कार्यक्रम सुशील कुमार साहू, भकला राम साहू, कमल साहू, शालिक साहू, उत्तम साहू, भीखम साहू, रामेश्वर देवांगन, मनोज साहू, उदयराम साहू, जितेन्द्र साहू, दऊराम साहू, बल्ला साहू, रामनारायण साहू, संतोष साहू, लखण चक्रधारी, मनोज सिन्हा, संरपच प्रमिला साहु सहित सैकड़ों के तादाद में महिला मंडली के सदस्य और गांववासी उपस्थित थे।

बिशुनपुर में पीडीएस दुकान तथा आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण में पहुंचे कलेक्टर

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने शुक्रवार को विकासखण्ड बैकुंठपुर के ग्राम पंचायत बिशुनपुर में शासकीय उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने स्टॉक का अवलोकन किया और पीडीएस के नियमित संचालन की जानकारी की राशन लेने आए लोगों से भी पुष्टि की। उन्होंने यहां संचालक समूह से बात कर उन्हें हितग्राहियों को लौटाने के लिए चिल्हर की उपलब्धता बनाये रखने निर्देशित किया और चिल्हर ना होने पर छोटी-मोटी घरेलू उपयोग की सामग्री रखने कहा। यहीं कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया तथा आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता से कुपोषित बच्चों की जानकारी ली। उन्होंने अपने सान बालक सत्यम का वजन मापन करवाया। कलेक्टर शर्मा ने केंद्र में अण्डा वितरण की जानकारी ली तथा भोजन की गुणवत्ता की जांच की। कलेक्टर शर्मा ने निरीक्षण के दौरान कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र एवं स्वामी आतमानन्द वाचनालय का भी अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। समुदायिक शौचालय स्थित दुकान में राशन दुकान का संचालन कर रहीं नेहा ने कलेक्टर को बतायी अपनी सफलता की कहानी। बिशुनपुर के समुदायिक शौचालय में स्व सहायता समूह को आबंटित दुकान में महिलाओं द्वारा राशन दुकान का संचालन किया जा रहा है। समूह की महिला नेहा राजवाड़े ने बताया कि दुकान में आवश्यकता की सभी सामग्री रखी गई हैं जिससे हमें थोड़े समय मे ही अच्छा लाभ मिल रहा है जिससे सभी महिलाएं बहुत खुश है।

कलेक्टर साहू की पहल से लाभान्वित हो रहे लोग

नि:शुल्क बीपी, शुगर जांच कैम्प का हुआ आयोजन

कोरबा । कलेक्टर रानू साहू की नागरिकों में गैर संचारी रोग बीपी-शुगर की जांच कर बीमारी बढने से पहले मरीजो का ईलाज सुनिश्चित करने की पहल से जिलेवासी लाभान्वित हो रहे है। नि:शुल्क बीपी, शुगर जांच कैम्प का आयोजन जिले में किया गया। इस शिविर में 30 वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगो की बीपी और शुगर की जांच की गई। लोगो के जांच करने के पश्चात् बीपी, शुगर की पुष्टि होने वाले मरीजो को आवश्यक दवाईयां भी नि:शुल्क में प्रदान की गई। साथ ही जरूरी स्वास्थ्य सलाह भी लोगो को दी जा गई। जांच शिविरो में नागरिकगण उत्साह के साथ बीपी, शुगर की जांच कराने पहुंचे। कलेक्टर साहू सहित जिला स्तरीय और ब्लॉक स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों ने एनसीडी कैम्पों का निरीक्षण कर शिविर के सफल क्रियान्वयन में सहयोग प्रदान किया।

खिलोरा में हुआ राजस्व शिविर का आयोजन

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

कलेक्टर विलास भोसकर संदीपान के निर्देशानुसार बेमेतरा जिले के विभिन्न गांवों में राजस्व शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से आम नागरिकों की शिकायतों, समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में कल विकासखण्ड बेमेतरा के ग्राम पंचायत खिलोरा में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प.ह.न. 31, 32 व 33 के अन्तर्गत शामिल गांवों के कृषकों से आवेदन लिए गये तथा योग्य आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में अविवादित, नामांतरण के 10 प्रकरणों का निराकरण किया गया तथा द्वितीय प्रति किसान-किताब का वितरण किया गया। फौती नामांतरण के 3 प्रकरण प्रक्रिया में लिया गया। ग्राम फरी के कृषक श्रवण पिता कपिल को आवेदन प्राप्ति के आधे घण्टे के भीतर द्वितीय प्रति किसान-किताब प्रदाय किया गया। इस पर कृषक द्वारा प्रसन्नता व्यक्त किया गया। राजस्व शिविर में राजस्व विभाग से नायब तहसीलदार राजकुमार मरावी, पटवारी सुरेश वर्मा, रश्मि वर्मा एवं पंचायत विभाग से सचिव, सरपंच, कृषि विस्तार अधिकारी, पीएचई से मेकेनिक, खाद्य निरीक्षक एवं अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

आश्वासन के बाद भी नहीं मिला मुआवजा, आंदोलन को मजबूर हुए किसान

जोहार छत्तीसगढ़–कोरिया।

विकासखंड भरतपुर में जनकपुर से कोटाडोल मार्ग निर्माण में जमीन का मुआवजा नहीं दिए जाने से नाराज किसानों ने चक्का जाम कर दिया। किसानों का कहना है कि पीडब्ल्यूडी ने दो महीने का आश्वासन दिया था कि मुआवजा दिया जाएगा लेकिन आज तक कोई राशि नहीं मिला। जनकपुर कोटाडोल सड़क चौड़ी वर्ष 2010 में करवाया गया था। जहां सड़क चौड़ीकरण के समय 415 किसानों की जमीन अधिग्रहण की गई थी, लेकिन पूरे 12 साल बीत जाने के बावजूद भी किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया। इस मामले को लेकर किसानों ने कई बार धरना प्रदर्शन किया। लेकिन हर बार कि आश्वासन ही मिला। लेकिन उन्हें अब तक मुआवजा नहीं मिला। मार्च में जब किसानों ने धरना प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम किया था, तब पीडब्ल्यूडी ने किसानों को आश्वासन दिया था कि दो महीने में मुआवजे कि राशि दिला दी जाएगी, लेकिन जब उन्हें लगा कि उनके साथ छलावा किया जा रहा है तो, किसानों के सब्र का बांध टूट गया, और आक्रोशित किसानों ने भगवानपुर के पास चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों का कहना है कि इस बार आश्वासन नहीं मुआवजा दिया जाए, अन्यथा यह चक्का जाम अनिश्चितकालीन जारी रहेगा।

जमीन मुआवजा की राशि प्रशासनिक स्वीकृति के लिए लंबित है

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा इस तरह का बयान दोहराते हुए 12 साल बीत चुके हैं, लेकिन मंत्रालय में दस्तावेज जमा होने के बावजूद प्रशासनिक, स्वीकृति आज तक नहीं मिला। पीडब्ल्यूडी भी बस रटा रटाया जवाब दे रहा है कि मंत्रालय से स्वीकृति मिल जाएगी वैसे ही किसानों को मुआवजा दिया जाएगा। आखिर एक पार्टी की सत्ता आई और पूरा कर चली गई, वही नई सरकार बनाने के बाद भी फाईल लटका हुआ है।

एसडीओ फारेस्ट ने टीम के साथ एनएच 130 के मार्किंग वृक्षों के कटाई का किया निरीक्षण

जोहार छत्तीसगढ़–देवभोग।

एनएच 130 के चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है मदांगमुडा से ओडिशा सीमा खुटगांव तक वन परिक्षेत्र इंदागांव देवभोग के अंतर्गत आता है सड़क किनारे लगे वृक्षों की कटाई का काम वन विभाग देख रही है। मदांगमुडा से ओडिशा सीमा तक हजारों वृक्ष लगाये गये थे राष्ट्रीय राजमार्ग ने इन वृक्षों के कटाई के लिये वन विभाग को चिठ्ठी लिख कटाई करने के लिये कहा था। वनपरिक्षेत्र इंदागांव देवभोग के उपवन मण्डलाधिकारी राजेन्द्र कुमार सोरी ने मदांगमूडा से ओडिशा सीमा का दौराकर सड़क किनारे लगे वृक्षों का निरीक्षण कर वन कर्मियों तथा सुरक्षा श्रमिकों को कटे लकड़ियों के रखाव और डिपो तक पहुंचाये जाने के आवश्यक निर्देश दिये। इस अवसर पर उनके साथ परिक्षेत्र अधिकारी नागराज मण्डावी, सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दिनेश चंद्र पात्र और एडी मुरचुलिया भी मौजूद थे।

वनधन केन्द्र का निरीक्षण कर जल्द पूर्ण करने के निर्देश

लघु वनोपज के अंतर्गत फोकटपारा मे बन रहे लाख के लागत वाले वनधन केन्द्र का भी निरीक्षण किया। वही ठेकेदारी से बन रहे केन्द्र भवन को जल्द पूरे करने के भी निर्देश दिये हैं। बता दे कि इस वर्ष वन विभाग महिला स्व सहायता समूह के माध्यम से लघु वनोपज के अंतर्गत महुआ, इमली सहित अन्य वनोपज की बम्फर खरीदी कर रही है और केन्द्र भवन के पूर्ण नहीं होने से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क किनारे के पेड़ की कटाई विभाग को खल रहा

निरीक्षण के दरम्यान एसएफएस राजेन्द्र सोरी और सीएफओ दिनेश चंद्र पात्र ने कहा एनएच 130 सड़क के दोनों किनारे वृक्षों के कारण गर्मी के दिनों पथिकों को राहत मिलता था पर एनएच 130 चौड़ीकरण में सारे वृक्ष कट जायेंगे जिसके चलते अब सडक पर पथिकों को छांव मिलना दुभर हो जायेगा। वन विभाग पेड़ की कटाई करने मजबूर है। सोरी ने ये भी कहा सड़क के किनारे के वृक्षों की कटाई विभाग को खल रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक -**नारायण बाईन,** फोन -फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in